प्रकाशित समाचार

दिनांक : गुरुवार,06 सितंबर 2018

पृष्ठ संख्या : 13

डेली हिन्दी मिलाप

DAILY HINDI MILAP

Hyderabad

हिन्दी कार्यशाला एवं वाक् प्रतियोगिता आयोजित

हैदराबाद, 5 सितंबर-(मिलाप ब्यूरो) राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम) में आयोजित हिन्दी पखवाड़े के दौरान आज अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला एवं हिन्दी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के आरंभ में संस्थान के हिन्दी अधिकारी विजय कुमार साव ने मंचस्थ अधिकारी डॉ.जे. एलिस आरपी सुजीता, निदेशक (पीबीडी), डी. चंचला देवी, रजिस्ट्रर एवं अतिथि वक्ता डॉ.एस.आर. यादव, सहायक निदेशक, क्रीड़ा, हैदराबाद का स्वागत किया। संस्थान के रजिस्ट्रार ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यशाला कर्मचारियों के लिए अति महत्वपूर्ण है और सभी कर्मचारियों को इस कार्यशाला में भाग लेना चाहिए, ताकि उनको हिन्दी में कार्य करने में जो कठिनाइयाँ आ रही है, उसका निवारण हो सके। उन्होंने आगे कहा कि संस्थान में राजभाषा का क्रियान्वयन सुचारू रूप से किया जा रहा है। 'ग' क्षेत्र हेतु निर्धारित लक्ष्य भी हासिल किये जा रहे हैं। सभी कर्मचारियों को इस कार्यशाला का भरपूर लाभ उठाना चाहिए। डॉ.एस.आर. यादव, सहायक निदेशक ने कार्यशाला के दौरान पॉवर प्वाइंट के जरिए प्रतिभागियों को राजभाषा नीति, धारा 3 (3) के तहत द्विभाषा (हिन्दी-अंग्रेजी) में जारी होने वाले दस्तावेजों की जानकारी, वार्षिक कार्यक्रम आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में हिन्दी वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय 'माँ, मातृभूमि एवं मातृभाषा' और 'एक देश एक भाषा'। प्रतिभागियों को इन दो विषयों में से किसी एक विषय पर प्रस्तुति देनी थी। प्रतियोगिता में डॉ. विधु कांपूरत, संयुक्त निदेशक (वनस्पति स्वास्थ्य अभियांत्रिकी), एनआईपीएचएम एवं डॉ.एस.आर. यादव, सहायक निदेशक (क्रीड़ा) ने निर्णायक की भूमिका निभायी। प्रतियोगिता में डॉ.एजी. गिरीश, सहायक निदेशक (पीडी) (प्रथम), डी.बी. शर्मा, मशीन माइनडर (द्वितीय), एन. वेंकट रेड्डी, प्रशासनिक अधिकारी (तृतीय) एवं सैयद नाजिया, प्रवर श्रेणी लिपिक ने चतुर्थ (सांत्वना) स्थान प्राप्त किया। निर्णायकों ने कर्मचारियों को इस प्रतियोगिता में भाग लेने पर सराहा एवं आगे आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के अंत में हिन्दी अधिकारी ने उपस्थित अधिकारीगण, अतिथि वक्ता एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। संस्थान के हिन्दी अनुवादक राठौड़ मोहन नारायण ने कार्यक्रम के संचालन में सहयोग प्रदान किया।